

४मभवर्क भवर्ष ह्या॰ रुर

ചാന്റ്, ചാന്

"ए५४%, मा॰एए पौर्ण एएलीणी ग्रामऋँ ण्य हैं से हें प्रत्ये प्रत्ये प्रत्ये प्रत्ये णेक रमा १०७ मा दर्भ हर्म - प्रेंजिन माधानिक रिट्री (ऋन्याम भारतिकार)

### एथि। ये प्रमार्थि - अमार्क्ष मरावाष्ट्र नियान

भीमण रर्जात विशेष विभिन्न रिल ന്മായം വ്യാച്കു പ്രത്യാപ്രത്യം കുടപ്പി दणटर्ण द्रवाप्र प्रधाप्र प्रधाप्र प्रवाप ,दण्ड राज्य प्राचीस ग्रत्णटणट्टी जिल्लाभुम जिल्लाभुम महर्द गिरिष्य देस रदस र अस-रूस प्रस्तारमा पार्याम प्रस्ता प्रस्ता प्रस्ता हिल्ली **सर°,सए°, स्टेड्रएगा, स्स** ष्ट्रीयणा॰क्र रुष्रभ्रम ചാനിത്യ്, ചാനി ചാറ് നാല് പ്രാച്ചു വിത്യ വിത്യ ण्य हामा राष्ट्र हो हो हो है है है भगाय रेग हो हिर्मात स्वाप हर्व दे गुरुडर्ड् प्रयाद दर्भायडु गुरुडायाञ्च रिष्य १। वास्टरिस्ट रूजन्य राज्यस ॥ ਖਿਤਨੂੰ ਨ 'ਲਕ ਆਗੀਨਨਾਜ਼ 'ਜ਼ਿਜ਼ ਨਿਜ਼ गाणी एड एम मार्गिष्ठ वर्ष मन्त्राप्त अह्रदस्त्रत, स्रम क्रमा क्रमाया अहर प्रभुत्र आयुक्त अध्यात्र अध्य एक देंग ट्रेंग्स प्रमाण्य के प्रमाण ए। एक स्वर्ध अद्राधानिक कि प्राधानिक विकास रेंक टेडिंग गिमबर्ड क्टें **११ अस्तर हरे हम्म पारंद रक्ष्म** ह्यायाण्य द्वारा हरू हिल्ला भी अप ट्रम्भ प्रजील्दी, द्रम्भ प्रजीलिदी॥ णणीलर्<u>रण</u>क्षेत्र चहुज गिमर्गात्ज उपीलर<sup>्</sup>ष्णी गगदर्ट षाप्पर्गम अस्मिन स्थित ग्रभा रेसिए उपासिएटटर एसिए पक्रे ചാറി നേറിന്റെ,

#### क्रियार्जम १५४ वर्ष -श्रुणयसम अस्याः

ചാവു ചാവു മുണ്ടു മുണ്ടു വിധാ വാധത്താ

म्हिंभाग इर प्राप्ति ग्रेत्रस एपियाँ प्रोप्त प्रस्ति हर, ६०९६ एक ताला भूकत्र ಹೊಚ್ಚು ದಿದ್ದಾ ದಿದ್ದು ಜ್ಯೂಬ್ प्राथित विश्वास एँ।ए ट॰राइड इन्हाइसए गिषरण्यभ्रत गिर्दर्भे क्रम, क्रम, ग्रायडमक्र ,रिष्ण मण दर्गर सम्प्रिक विश्व है स्वर् ॥ हरमञ्ज भामस्मा राज्य **ந**்த, அராத்த ष्ठण्याचीम द्रष्टीम एन्डब्स र्रोद्रग्रेत्याल ग्रहमाूर्र् रेदर्ह माहित्र रज्ञत , प्राहित्र रज्जा मदिश्या समद मृतास्थ्र जन राणि अध्याप्य निर्मा रिस कार भार्त ॥ ५६ दर्ध १५ जा स्रित्र ५ मधा मार्थिं ग्रहें दें में जाद अप जाम ४द॰प्र दभ्रय उप्तर्रे हैर्प सिए अमल्खर, लुमल्य आमर ग्रह्मार्क स्टार्ट्ड भार्य्र भाठम स्मर्भ्य भिर्द्ध भिष्ठम सिपार्च स प्रह्राण्ड रुपाध्यम भिर्देर ,हमञ्चर्षराचल लाजिलू मूर्माम क्ष, मध्यम मध्य दृष्टसन्मश्र тиров патони опо ॥ धारी गार डुभी मी जिरुद्ध कि हर मधी छ र्टाण्डक द द स्वाम, ज्ञमभ द किंटण тнацём, ёппурс неняя ज्ञरमध्र ग्रात्मार्भग्रम द्राधार . ह्रमात प्रत्यं प्रमान्त्रम भ्राचर्न ह<u>भन्</u>र भर्ता , अध्यादर्भ र<u>भज्</u>यार्गत हुमहम् । १०४४ <u>४भज्</u>यार्गा डूमहम् ५दर्ह गिणिएक प्रमित्रीलदर्श्य देदर्र एए मिल्री निक्र አብኗ<sub>6</sub> አብଘ' Ώዚኗ<sub>6</sub> ዄሥቤ संटेए छेडर पएकि इत्ररण्याल ग्रहेबर्स स्थान

# श्रमराहे प्रभूष

म्प्रात्म ह<u>म</u>्बन्न हात्र हात्र

व्यव्यवस्य स्थान्य व्यव्यवस्य

-स॰स्र प्रा॰ट॰म

लटा हु ए<sup>°</sup>णटेल से स्रेभण ए ण्यत्रम ळंळम द्याहित्य प्रामाण ए॰ण्यू प्रारेभण्यू, एषा द्या प्रधार में प्रधार प्रधार त्रणप्रर्भ एङ॰५२ भाषारिष्पर्भ ភଂ៤៤៣ វ្រុក និងខ្មែ

लेडेएएड समें हिन्हिणए णासणाधिमध्य भिन्नम् रुष्टामा स्याप्त्रमधा अभटिष्ठः त्त्रणा त्रश्यम ४२५६मा भारा र्रुताम दर्गर देवर्ष जनमञ्जीर क्रियाभिर्दे पाठिद्यर ಹನೆ-ಹುಂತಿ ಚಿತ್ರಗಳು श्रुद्धामा मार्सम प्राप्ति प्रश्च प्रशाय श्वरति हेर्य ह अरा रिष्णाधार्य क्रिजीस แดส ์ ऋँ फेर हर्ष भारमष

## ずいべい 治理性

- කි. ෆෑස ෆද්෦

**ක**වසං පියසු යු-ඥ ष्णणर्ह्य भिद्धर्त रिज्जणा व्यक्रिक व्यक्ति व्यक्ति ॥ क्रि॰५ माध्य कि राज्य प्पराण एपार्याच एम्हिन्निप क्रिये रिराहर हो समा पामहीपाहर क्रियोम मञ्जाहर जाणा अष्टर मञ्ज ग्रोमर्वे देंग्रह्मा स्वाधिक रहें हैं भीत ग्रामएस्प्राम्या त्रेटहमए ए ॥ स्रात्याच्या त्रात्य स्थान ट॰एक एक एक प्रमारे विष् रायाज विश्व स्वर्धा स्वरा लेख भिर्म जिल्ला होता होता है है है लेल्प विस्तर हिंदी हैं जिस्माल **। जारह**िणार प्रत्यम निर्मेष द्रक्ती समस्य क्रि । ज्य न्बरीयाण प्रभम भाग्रे एण इसे एण एम एक ರ್ಷಕ್ಕೆ ಸ್ಟ್ರಾಪ್ ನಿವರ್ಷ ಆಸ್ಟ್ರಾಪ್ಟ್ ॥ जार्रा जाता जा वासद जिल्ला असमारा ใบชรโตแบ บद<u>र्</u>म्द्र कि ॥ ब्रिस्टियाल ग्रह्माच्चा लोक्स<u>ोभष्ठ</u> क्रम्य व्याप्त विभिन्न विश्वापार्य एक जार निषय के जार के ज णोहर सिद्ध त्राप्ति अप **॥ ० द्वर्य में प्रिक्षण किर्य्व किर्य** ,<u>भन्य</u>ूरू ध्राप्त य्काभ ीडणा॰स भजास-भजास लालाक क्रि १४४०३३ में भार्यक जिल्ल विश्वर्यमण सप्रवाद्य वाद्याचित्र रिज्ञन्यज्ञीर जार्य जार्य गर्द जना जरुल महजीहम ଅକ୍ଲେପର୍ଡ ଅନ୍ୱେଷ୍ଟ ବ୍ୟକ୍ତ भारमण्ल मध्य इर्ह्ण 

# क्षरिकरः अष्ट्रास्त्र विश्वभ्रम् विश्वभ्रम् विश्वभ्रम्

-सह्यास स्रोह्म

ಹ್ಜಳಪಳಿತಿಯೆ, LOSATAN ANDLE **കൂട്ടെ പ്രത്യം ഉപ്പെട്ടു** മ്പാട് പ്രത്യാലെ പ്രത്യാലി , ಶಹೀಹ ಶಹೀಹ ಶಗಿಲ್ಲಾ ಪರ್ಷಕ್ಷನ್ನ रभ जन्म सदर्गाह स्वाचीर के जीवज विस्पर ,गुह्रोष्ठभ्रत महीणावीलदर्श्योम हर्र पारितम ? ७०°४ वर्ष होता जिल्ला सम्बन्धाना १५५५ मिरम **म्रह्म अर्थे के अर्थ के अर्थ** भित्रहार तिरुप्तममु तिरिश्मा श्राप्त करिस्म स्थापन **മ**ംകമ്മ്പ്ല് മംപ്ര പടംപ് ചെയ്യു ಡ್ಆಡ್ಹ್ ಪ್ರಡ್ಡ್ ಪ್ರಕ್ಷಣ್ಣ ನಿರ್ವಹಿಸು ,ाण्डिभ्रसभ्रम भ्रत्म भारम विराधित विषय किर्या ग्रात्ररञ्जय धृष्टिणाध्यात्रक्षाम ध्रम् जारिस क्षा प्रस्ता स्था वर्षे क्षा अस्ति हिंदि स्था स्थापित **ഇയറി प्रेष्टएए जीमाधिक एउउरी** ॥

# र्राणाण सीमार्चात

- ಹೆಬ್ಲಾಗಿ ಕಾಲ್ಲಡ್

क्रज्यार्थ जास्यार्थ उद्धल ल्लाटा क्रमिक्र विद्या கடம்சு டதப் யில்ம ए॰णञ्च पा॰चट दुरा०॰ तत्राम्भ ॥ स्मर्ग्ड भाभित्रमण प्रारमण **णाऽँह म**ूर्ल होशाणु जार्ट्य कायः भग प्राप्तियः *प* ॥ जद्रश्मर हण्लाक जिल्हा ज्यास्याय राज्य मध्य മുമായ് മകായ്യു ପ୍ରାଲ୍ଲ ପ୍ରଥମ ପ୍ରଥମ । होटायू भार्य <sup>क्</sup>भोगत्वार

-एसिस्टे धेराष्ट्रसिधी

жиза пени त्रेंएराणी टामर्राक्षी टेंर रुक्ता उत्रहा है स्वाधित करते हैं र्यप्रशिवस स्टार्म्स े स्रोटा ग्राह्म स्रोटा ग्राह्म ॥ १५७४ व्याच्यामा भाष्ठी एक ।। गोष्ट्रमर्सर्राष्ट्रः लटेम ज्ञेमर

**IMPHAL, SUNDAY, OCTOBER 30, 2016** 

म्हाउन प्रशास स्थापन र्रेंभेणटरए प्रमार स्था देंरेण, रूपएभरिए प्राभातिक ज्ञान उपाय के उपाय के अध्यक्त के स्वाध कर के प्रतास कर के अध्यक्त स्वाध कर के अध्यक्त स्वाध कर के अध्यक्त स्वाध रिटापीन् सम्मण्डास रमणास्या ॥ म्ध्यामा भागास्य र<u>भव्</u>दें पर्य त्रिय त्रिय त्रिय त्रिय त्रिय त्रिय त्रिय प्रथम प्रथम त्रिय प्रथम हिन्द्र भीत प्रमानिक किरिया किरिया प्रमानिक प्रमानिक विभिन्न ामहाया , जैदर्क जिल्ला जहाम ॥ महाया हिंच विद्वर्ष र्रेपाषा जहाम ॥ भवताम माम पालीम हर्ष प्राप्त विपालमहाम श्रीरम जिएम मेम ही आराप जाल्य हम उमारीच , मक्स , रहणभेर रणमाप्त रमण र्यम ॥ <u>भर</u>णन्ते रणण्य भार्स्यम ह्रिणमहमा उर्व पाह्य रंज एउम एउम , यह हिन्दि पार्व पार्व म रस्रां प्रोरेश भाम ,दर्र रज्या दम निरुध्दर्श भाषाभा मुख्याल रामित्र हराया ॥ दश्र रामित्र भाग्ने भाग्ने . दश्र गिरुपार्क समा । हो द्वर हो सी मार्थ मार्थ में शिरु क्षिम के अपन -ग्रज्यम् , गादर्गज्य ॥ भगवर्ग रहारामा हरित्रामा विद्यार हिरामा १०८०८ अर्थ प्रामम विषय हमजाह्म हम्महून हमर माराम जिल्ला

प्यमणमा प्राप्तेल ॥ १५ प्राप्ति ५५० ५५० ५५० व्याप्त १५ प्राप्ति ॥ इभिष्ठ

-र्झात रहका ॥ दार्चाच्य एक हर प्रधान्य प्रथम रुप्त वाभि

एक निस्तर जिल्ला कर हा जिल्ला है है जिल्ला जिल्ला जिल्ला किर्प

द्राया उत्तर प्रायम प्रायम प्रायम स्थल , द्रार र प्रायम सम्बर्क र दर्ज

ीजमण रिष्पा रिपाल दर्भम ॥ परिस्र पारिस्र रिपालिस् ॥ १४५५

॥ स्रीटाणीटाण स्टेट होस्क्री एट॰ऽज्ञब्य हमस्यरं प्रत्यम जन्मम

भादर्रस र<u>भक्</u>षक्रभा ॥ ग्रिमार्थसभी हिल्ला हिल्ला अवस्थ उन्ने हिन्दू स्थाप स्थाप स्थाप अस्ति । विद्याप स्थाप । ग्राप्पर्य मञ्जर्ज हर्त्वास विमास मार्थम । दर्श्वमा रहर्त् ७७७०। विकास स्थापन स र रण्य । वर्र रवर्न रिजार्क भावर्त भावर्त्त रभवर्ष ्रमण ग्राप्याच्यान्यक मण गरदर्व १ अमध्यम प्राप्तमण , उमसीम गिणारिस्टर्रेंग । रिस्म गिरिदर्श्यर स्थित्र्र्रिंग देः 

ह) स्टारिक सम्बद्धा सम्बद्धा सम्बद्धा सम्बद्धा स्टार्थित सम्बद्धा सम्बद्धा सम्बद्धा सम्बद्धा सम्बद्धा सम मियार्क राज्याद यान्त ज्ञानार मिर्म मह्म सम्मान रज्याभारतिक सामाहर मान्येन रिवर्णग्रस सामाहर साम ाण्या संस्थात हुन स्थाप अराज साम्या स्थाप स् गाया अर्थे अर्थ र भार कर है जा निष्ठ र मार्ग मिर्टर में भार मिर्टर मार्ग मिर्टर में भार मिर्टर में भार में स्व ्रीडणाभ्यस्त्रतीय शासीड रिपाण ्रीगारस्त्रर्वड रुसिदर्रम ग्रामोटार्न्ज , डिप्प बर्झ इप्रीएपात्रा) "। दिप्प भागमा भामप्र त्राचिष्ठ हरमार्ये । जारीकद्यर रज्ञं विष्य होलरीकदर्श (२२ इं ीणीलर्व्यञ्जर ॥ राज्यं रहणान्चर्रः राष्ट्रमाण्डर्वर्ः ॥ राज्यस्वर्वर -ऽज्राण पामक त्रज्ञ त्रीहाम हरम ॥ विमारापाल हापालक र मण प्रभेट र अर्म प्रारंकी प्रारंभ ॥ जिल्ला प्रभाव ੱੜਿਆਂ, 'ਨਾਂਕਿੰਘਾਆਂ ਹੇਲ੍ਹ' ਆੱਕ॥ George Herbert ए ਲੇਙਝ, "Love and Cough cannot be hid" ा व्हें जिस हमार मारे हिर्देश प्राचित हमें हैं जिस हम है नेपारीब साप्यानुर, 'मिदर् एम् ॥ निष्ट ५२ असमाजिमा ಹಲ್ಲಾ ಹೇಗಿ ತಮ್ಮನಿಗಳಿಗೆ ಸಿದ್ದರಿಗೆ ಸಿದ್ದರೆಗೆ ಸಿದ್ದರಿಗೆ ಸಿದ್ದರೆಗೆ ಸಿದ್ದರಿಗೆ ಸಿದ್ದರೆಗೆ ಸಿದ್ದರಿಗೆ ಸಿ र्जेन्नर्या स्टेंग्याओं ॥' (त्रिक्रीयार्जेंगि क्रेन्नर, देः ९९) प्राक्तेन्न ८७पाए – अर्स मास्री मास्रिक स्थाप मायारा में से से से स्थाप मायारा में से से स्थाप मायारा में से से से से से से से स गिएट के गिलक भी मण ।। रिदर्श में रेरे एमण हैर्प भिष्ठिए ಹಿದ್ದರು ಹೆದ್ದರು ಪ್ರಕ್ಷಣೆ ಬದುಗಳು ಕ್ಷಮ ಕ್ಷಮ ಕ್ಷಮ ಕ್ಷಮ ಕ್ಷಮ ಕ್ಷಮ ಕಷ್ಟು ಕಷ್ಟಿ ಕಷ್ಟು ಕಷ್ಟಿ ಕಷ್ಟು ಕಷ್ಟಿ ಕಷ್ಟಿ ಕಷ್ಟಿ ಕಷ್ಟಿ ಕಷ್ಟು ಕಷ್ಟಿ ಕಷ್ಟಿ ಕಷ್ಟಿ ಕಷ್ಟಿ ಕಷ್ ॥ दर्भभे ४५३ स्माउम भामा दर्गर राज्या राजा भागेम होस्य ,हाटणक प्यमणमाप हर्वाणण ,हर्म भिम भार्गामहोर्च की .दर्न जीराम जस्म ॥ जिल्लाम रश्चाम र्यम रमम्म ऋसमञ्ज भाग्ने १९७५ मारभन्तमा दर्शम् । ८४६६ व्यन्ति । स्वार्थित भूजेर्थ स्वर्थ ST Coleridge वि . रिवर्द्ध उमराग्र हिन्दु प्राची । विवर्द्ध

मध्याट राजनार स्म



भित्रे एषक त्रमण्या त्रमाण कार्य कार्य हेन्स हेन्स प्रमुख भार भारत होता मोर्म त्रेष्ट्रचात्र प्रभएम, 'युमारे प्रनेष्ट्रचार्म युमार्म है। ण्यात्र, विष्यात्र क्षेत्रका अध्या भित्र होता है से से स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स แตรส์ William Shakespeare ๓ लेक्प्रती Othello ए सोर्ण उपेडाणी संश्वास Desdemona र ਹੇਟਰ ਢੇਂਘਟਘਾਟਰ ਢਲਸਰ ਨੇਂਡਸ਼ੀ, "Woman! Frailty is thy name." ໝາກ ເພື່ອພວກ ເພື່ອ ເຂົ້າ ເຂົ

स्टांज ए५३७°, प्राया प्रोसिटाप्रासेक्पण गाल्डन्न ॥ ल्डेंड गोंकर प्राचेश्वर प्राचेश्वर प्राचेश्वर प्रतेष स्टेंड क्षेत्र स्टेंड क्षेत्र स्टेंड क्षेत्र स्टेंड क्षेत्र ब्रुष्ठीभर्टर ॥ प्रैञ्जीलबर्वर व्याप्त्रन्त उत्पायहर्वे । गार्थमा १५ मार्ग रेंक्र प्राप्त उसम प्रस्कृत हैर से उस असम प्रमुख रहे कर है रण्यम /रुक्रभ<sup>°</sup>या ग्रीम रूनिम, सर्हेर्तर भिर्म ॥ ग्रहस्र्णांत्र रिष्ठदर्व चारदर्श ।। मानाभर राजरवर्श्य द्रश्चेत्र शामा वर्शक्र ए॰णजम, टेः ६९) प्रज्ञुए प्राज्ञिए कर्र टेपार्ट सेखएउ ज़ुख्एेक/ रज्य महीछ विराण्यं हथि द्रेयाच्या छज्ज भारीच्या ज्याप क्रि. इंडेक्ट के जिल्ला क्रि. प्रमार्थ कारवास्तात के क्रि. जिल्ला प्राचेत्र प्राचेत्र प्रत्याप उत्हाल प्रत्याप त्रिया प्रत्याप विकास प्रत्याप प्रत्याप प्रत्याप प्रत्याप प्रत्याप र्जेमर्स्या । प्रेमर्क्या प्रत्या भूजोम होत्रभणार्य । जिमर्स्यार्थ प्राप्त प्रमान प्रम प्रमान प्रम प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमा सेंक ओणब्रए/ गोंचर हिंग एपिक्टैं/ हिंगाण देंबेप्रथा' (हिंग -ब्रायम दर्स्य हाराताचा भीम हुज्यम हिप्तांत मणायोत्र भारता ॥ भिदर्श गुरुहुम मध्न ग्रत्याचार्गार भीमम गुरुद्धम । सिरुह्यभी लब्दमान लाज्य हुर मार्म सहस्र हुन मार्म सहस्र अध्यक्त अध्यक्त एउ एँदे, दर्श रहीषा रोण पामहीपारमहूम दर्श्यों विरुधदर्श ॥ भिदर्श दर्श रमाए ग्रागण्ड

प्रकृष्ठ प्रधाय /हिंग स्वापन प्रमणमा विषय हुन में ण्यातिक त्रिक्त / जिल्ला स्थापन क्रिक्र विकास त्रिक्त विकास विका क्रमण्य हैं। प्रश्रेष्य व्यापाल विश्व विश् ्रद्धारी स्वरंक्रण भारतार्थिक १५४मा ४८माच्य ण्डम एप्रिकेंक्स टॅाण्टि प्रेंक्रेड।।' (इ.स. ट्रेट्सकेंड, टे: पार्केट प्रमार इ<u>ज्</u>रहा । हे प्राया हे से स्वर्थ सहस्रा । अर्थ सहस्रा । अर्थ स्वर्थ । अर्थ स्वर्थ ।

ः ष्रोज्यसण्यादीर त्राणाञ्चम म्हमही 🏻

Æ⊼√ *: ത്ല*്വ AYD 8 ः प्रोप्तिए।प्राप्तेस

ં ૪૦૬૬

**ब्रा**ध्य *६ प्रते*ष्ण ३

हेणार स्ट्रा

रदर्ज भदर्य क्रिसम रेवस रिपारिश्रम भारितमध्यम ॥ १४५५ व्यास हमाने हमाने हमाने हमाने हिंदी हैं से स्वास क्रिस एउस /ため 医回尾式 回る正 川泊紫田園 1医回り20日配卸 ありか भिदर्क गेष्ठाया ॥ गेण्याचार उथ्यञ्चलभा स्वाहित्र मधोक मजाव्यक्त ॥ स्वायक्ष्य विवाद स्वायक्ष्य स्वयं विवाद स्वयं स् िस । गिर्णादर्ज मधाष्य डिप्टर्ड लोलम । ह्रमण मारोज ह<u>भक्</u>र्देड राध्या व्याप्त क्षेत्र हो हो सम्भार विषय स्थाप क्षित्र हो हो स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप रक्षीमण्ड मायाडीस , रहभीमण्ड मायाडावील जीलमहिम र<u>्रभाम</u> ील्रुए मुर्से हुमार्यस् ॥ १००० विज्ञान् सार्वे ॥ १५ वर्ष ए १९६० लाएक देश मार्क

हैदर्स दर्भे रामण पाध्यम विश्व विश्व भारतिक भारतिक विश्व भारतिक उमर्र रिज जीहरा ॥ जिल्ला भरम हर्ष्य एमोर्स शाम इंडरिंग नार्सिक्ट नार्सिक्ट ने स्वाउस ज्ञात । ज्यापि इंडरिंग प्राप्ति हैं ्रमीठ र तार्य स्थाप भी भी महत्र प्रह्मण । भिर्द्ध कर्ष गेक्पर क्रामा र्रेटेक्ट गेक्पमा ... स्टर स्प्राह्म र ` अहर ग्रेय गण दिखाया (४६ हे. हि. हि. हे. हि. हे. हि. हे. हे. हे. हे. हे. 

हर्द , दर्श प्रदे, प्रकृतभा पानिं हर अया भामत्वा रायाञ्च स्टारित प्रामणमाम प्रोष्ठाम स्टाराम प्रामणमाम प्रामणमा गिनुरें भिरात्वर्धभू लोलम । भिवर्क जनाप हुक लोमप णिन्ध ॥ पामलीष्यात्मु देस र्रेस र्रेस राज्य ॥ रिभिभात्र समरीम भरम ह<u>म्ब</u>रभ्य गाहरू हिंगा हस्यं पार्वहर एमम ത്യാനം ചുമന് നിഷെഴിപാന്നും നുക്കു ചുമുന്ന വുമുന്ന .हरूरी भारत ए जिहरूर पाला पाला पाला जिहरू । किरम <u>. जब्</u>यामा /श्रीटायाधम भूमाष्ट्रा /ट्राष्ट्रीम हाग्राटा व्य<u>ाभर</u>वापाटा लागुम मंत्र /खील्ड मार्ग होता भारत में होता है जिस्सा स्वाचा अंदर पाधिक स्वाचा में जिल्ला स्वाचा स्वाचा स्वाचा स "। पार्थीय पार्धीय पार्रिक्षेण /ब्ल ब<u>्धिब</u>्ल पार्सेण पारिण /पार्ब्स र्जभात ਇਸਾਨਤ ਸਾਤਿਵਾਈ ।। ਹਿਜਤੇਸ਼ ਨਤਿਆਰ ।। ਹਿਡਸੰਸਾ ਨਜ਼ਿਤ सिस लेमदीर होगाम्य प्राथ्य अपन्य एक्स होना होना होना हो सिस होना होना होना हो सिस होने हो है है है है है है है एटा वर्ष्य । अवर्ष एणमुग्र गोष्ठा । वर्ष्टमा ४वर्ष ऋरएभियों, लेरएभियों, टैसिएक अप्ट प्रोत्तरभियों, हुक्रिस्य ह्रीएम ॥ भिदर्क <u>भिह</u>दर्श हिष्ठणाँ स्रीम प्रिरिप्धर प्रार्थम रिष्ण मणाद्रज्ञिति राष्ट्र णामरीम रहणांच्या श्वर्ट, भिदर्श मध्या ठामसामा /४९७४ जिल्लेस ग्रभील प्रालीड लुष्ट्रडम॰ल /ब्रापोन्डम लिश्रम ॐओष्ट ॥' (सस्ति लिसटर देंओण, देः ६५) प्रजुए हिगम प्रात्रेलिए ग्रम ॥°5मभ्दर्ग्य मि भारामध्म ४८२५ राम राप्यह्म विष्य 11 °5म भवद ध्या मा पारी में एर पार विभार में एक मार्गा हम कि मणिक हत्ये एक स्थाप हर<u>म्</u>य एक स्थाप कार्य हा उपार्ट के प्राप्त कार्य हा स्थाप स्था ॥ 1७४७१०७मा स्टंज ॥ 'रिएर्ने विर्मे' विर्म

रह्म ॥ विकास अधिक विकास किया । अपने मार्थ र्राण धा भारतम हिष्म ॥ अप्रता त्र सहस्र्वात त्र हिरास अस न्यान्य प्रताहर प्रताहर प्रताहर होएक मध्य प्राप्तम राभिट्ट -2ूर 11 ग्रह्म खर्ट आप्तानवर वात्मद्ध ४२३ ष्ट्रभव्य आप्तान्थवात्त्र ह्याराया भेर हर हर । भिर्ट भर हर गार्थि हिष्टा प्रमाण निष्ट प्रकेश इस प्रमार उभार आमट ॥ स्था हिम प्रमार उभार महाभ ॥ भिद्धाः ग्राप्तिष्ट्रं सम्म प्यभिद्धः प्राप्तिः ४५३ भिद्धः सम

# 'र्षा भाभागरें।'

णात्र अर्थ सार्थ हिन्दू में जात्र सार्थ सार्व सार्व सार्व सार्थ सार्व है जिस्स स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स

ह्माराज्य , देश्वर व्यापाय मिराज्य अवस्थामार्य हर्दात्र अतर् ,'छोधिष्य' -द्यायट्टे रहीगाँग छम ॥<u>भव्</u>योदमछ छापर्दरञ्ज ण्डलांधेंत्र ॥<u>भव</u>त्रोत्तमण जप्यांदाज्ञंका ,'जप्योश्यत्र भाम्बत्रहेषा "॥ १५७५५५ समाप्रक ४ माप्रक ५५ जान ५५ जिल्ला १५५५% स

"O Lady! We receive but what we give/

And in our life alone does Nature live."

गरणि प्राप्ति समस्दर्धाम् भाष्ट्रिया भाष्ट्रिया भाष्ट्रिया ਸਖਰੀ। ਘੁਨੇਕੁ ਰੇਸ਼ਦ ਰੋ, ਨਾਫਰਿਫ-ਨਾਫਰਿਫ ਸਖਸ਼ ਘਸਲਾ। मंद्र याध्या क्षाया ह्राधायत हिन्द्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्रमाप्त प्रमाप्त प्रमाप्त प्रमाप्त प्रमाप्त प्रम र्गम ॥ १५५५ १५५४ जन्हरू मधाय जीलहोधारमञ्जूष ह्याटित गिष्टामा महामा महामा नहां हर्तर हर्तर -०४ हरून्या मण (u-a) उह्रद्रक्त ॥ अत्रीदम्य जन्मक्रक णिष्ठदर्समा विमाश्य गामार्थ्यम हुमूम रिजनभारित गुरुषो

उपाराधिस हार ? जिलाकर्य र जिला किर्ह्समा जिलाचित ीयान्त्र टार्नसा विषयित्रमा ॥ विषयित्रं प्रत्ये विषयित्रार्व र किप्पाप्प ए प्राराद उद्ध्यम लोगाहरूम रहक्र राजरदक्षिक ୍ରିୟଂऽ ॥ १४५५ ଅଧେ କଥା जेला आराज्य ।। ଅଧିକ । ଅଧିକ । पार्ट्यक जरात्र रहातमुद्ध ॥ 'टापाभवक्षा १०४<u>भव</u>रपाठमाक (७.म दणभवर्त अस्थरणजनाक राज्य भिष्ठहुक भर्षे अभारत ଆ5୮ମିଠଅଂକ ଅଂବର୍ଯ୍ୟ ।  $\pi$ ଂ<u>भन</u>्धमा $\mathbf{m}$  ହାର୍ଯ୍ୟ ସହାର୍ଯ୍ୟ ଆଠାद" ॥ भारतीया स्थित्र में सूर्वर्य ग्रीपाञ्चा इस्त्र "॥ जाराचा भित्र -पार्टाराया प्रमाण प्रमाण विषय प्राप्त प्राप्त प्रथम -बर्त गराया पाठायां उसमु ह्राया राज्य हुहुया वर्ष्य विषठवर्ष विषय मधाष्य द्वाटापाटाट भागेटा" -द्यापधदर्ज ॥ ऋर्य में ब्रिश्टिर दर्ज के ॥ 'गर्भग्रस्टाटाराज्य जासील ले रमसवा ? रोसिसवाय गर्दर र्र्ज्यध्यस प्रचाय प्रस्था "॥ श्याचराय पाटार सर्व्याय क्षारी. "र ग्रेमिट्रय होन्ध्रसम्बन्धम जिल्लस्स् -यमन्यर्थ क्रिक्टरमण दर्श्य प्रोलद क्रिलीभेट्ट रूप्य गिण्डर्र्स क्रिमण एकेट प्राचिक प्राचाकर प्रमुच-वर्ष्य "? प्रमुच प्रकार प्रजाम प्रमुच ीरीमा एट्री एखदर्श एखन्स<u>विष</u>्ठ ॥ मात्र महाण एन्नीमहर ॥ छ<u>िभन्द</u>ें नहित्स ४५४न्म जिस्म ५७५५ जर्म जर्म छिष्पणभ एडसीए त्रव्यूम ॥ त्रिमाडिय त्रवाम प्रथम जिल्लाहरू गुजर रह्म स्वाराणीय ग्रहमुद्ध विरामान ग्रहमुम णिहर्नेषा जिद्यम राजेटायाचा रमणीटाम । द्वारा लक्षमञ्जूषा शामिल्यू स्थान स्थान प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्रमुमकर्म प्रमुमकर्टा, ग्णिष्टर्म प्रार्भि प्रोक्स्या प्रार्भिक्ट्रिस प्रार्थित प्रमुख्य ॥ भन्ना न्याती हा हिन्दू प्रमाप्त क्षा क्षा हुन

एस जिल्ला अण आपर भीमण । अध्य ३ वामा निवास मामा जिल्ला एसें अन्यान के जात है है है है है जिस के अपने के स्वाप के ोस्तरमध्यम भाष्टर्शक्षः मध्यमीत- वाध्यः ।। १५मञ् सिर्धरः विम एन एन हैं एन हैं जिन्न के उसका के लिए हैं जिस्ता है जा है जिस्ता है जिस्ता है जिस्ता है जिस्ता है जिस्ता है जिस - न्यार्थ महिमा एक्सा एक प्रमहे जान्द्र मार्थ महिमा र्राप्त प्रताम ीगरिष्य विभागरायार्गारत्म वारुटाव्या प्रभारत प्रमार्घ । विप्रति विपादी

एत्रामण हिस्सी असीयर्ज्ड में हिस्सी क्षेत्र होते । दिपार्ट एकार र्रेप -र्रियार्ट सरम एथर ॥ रैंदर्न दर्टम सीमर्थ्या भारम । विरायभार सीमार्थ्य एसप्रीय विद्योश क्रिजर्म रह्य ॥ प्रैं वर्क නග්ய ෆ්මාක ද්යාප් ॥

।। डिप्पर्वेर लब्सर्भर्भक्तिष्य ब्रह्मधूम राजम लिम गिज्ञभ्यार्ट र्रज्ञेद जसमञ्ज समभ्रम भारहपार्ट्य प्रधार्गातम रूपा जोर्भांगा हरूरभर्माण्या ।। रिचार प्राप्तित विपार्थित समार हम ।। विदर्भ गुरुदर्भस हो साहर्म भाषराजार, असम हामिस रभूगार हुभ्य भाषानिक सुरम् हिस्स हिस्स हिस्स हिस्स प्राप्ता हिस्स ज्ञान का जिल्ला का जातर प्रमुख्य का जातर प्रमुख्य का जातर का ज ්ශ්ලය වස්දේක්ව් - අවස පෙන්න සොමන අත්වන ස්ථානය සැ रहेर्य रमस्या त्रब्ध्य गायक रसव्या प्रशासि रञ्जा ॥ थ्दर्भर-१स्त्रशब्द भारतम्य एम्य १००म वाराप्रधिर्घ हरितमञ्ज ००°षा ४७'ध्य , देश्व ७दर्ग्य ०४मणम , १७दर्ग्य ०४७'धेर र रक्षर्कर जन्मीत्रम समार्य राजस्था । द्रुर जद्भम -யණි ගාවස්හන් ඉහු මාර්කම්ව ස්දු වාශීතමරාස් -छिन्धर र्ट स्वस्त्रम जिल्ला हुए भोरजात जिल्ला । <u>कर्</u>दामा र्हीर ग्रीटाम शर्रह में गिरिजन पारस्म ॥ ग्रेशंट भर्रिट ग्राहर दर्श्य आस्या राजित द्वेस राज्योजील पारम ॥ जिन्द्रेश पार्टा पारम अर्थ स्र रेंट्रेस एक निष्ट क्रिकेट एक राजनाथिय थिया भिष्य र्फ्रेम एक ब्रम रिक्रक्ट में सम्बद्ध १ हिंदी भिन्न के प्राप्ति समर्यम रमणी भाषा ॥ विज्ञात हो राज्य दर्श्य – विज्ञात हा सि दर्भे ॥ दण्य उपारक्ष भीम रमभष्य सदर्भे कारपार्च स्थापर -ट्रणिषा ४,४८७ यश्यम व्रष्टित गर्या असमा आत्मा अपार्थ म देश किरमार्च एवर्त्र रिजात

ीजीजाजा ।। दाप्यभ्वेद ५ दम जिल्लामा है जिल्लामा णाभवर्गात हुरियों किसाय सुर एस ॥ वर्र गात्वाच रुर्र रुद्ध ह्याराज्य प्रस्टाण इंटेड पासणी संविध्य उद्या गाउभर उद्या  $\mathbf{R}$  Regimes, who insume an initial and the regimes  $\mathbf{R}$ `ਲ ਿਸ਼ਾ ਸ਼ਾਲ ਸ਼ਾਲ ਨੇ ਸ਼ਾਲੇ ਨੇ ਜ਼ਾਲ ਤੋਂ ਸ਼ਾਲ ਸ਼ਾਲ ਤੋਂ ਸ਼ਾਲ ਸ਼ਾਲ ਤੋਂ ਸ਼ਾਲ ਜ਼ਾਲ ਸ਼ਾਲ ਸ਼ਾਲ ਸ਼ਾਲ ਸ਼ਾਲ ਜ਼ਾਲ ਜ਼ਾਲ ਜ਼ਾ ा थिले एडफ्रेंट्र ए एडफ्रेंट्र ए एडफ्रेंट्र से हरण्यमहम, 'होशीम

-भंटे से हिंदी हैं जिल्ला है जिल्ला

वर्णाण्यम प्रांतव रिषदि हमाप्पंत हर्वहमर्थर पर्रः क्रिंगीत रुग्टे रुग्रेम उत्त । त्याधरस्र रूपा॰ दे दे ग्रह्म

ी०वाी०व्राता १०४मत्र ५० द्वर्घ व्याच्या १५५५व १५५व १५५

"सेटा, यह मोस्वर्याए जाराव्य जबदर्गात स्वर्या, यह मार्थन अर्थन अर्या अर्थन अर्थन अर्या अर्या अर्थन अर्या अर्थन अर्या अर्थन अर्थन अर्या अर्थन अर्या अर्थन अर्या अर्य अर्या अर्य -०र्द्धमा ,वर्षाण्यस पोलद होधर्वा हार्पाण्य वर्षाधस्त्रहरू ੀ ਸ਼ਹਿਨਹਰਹਿ ਨੇ ਨਹ ਸ਼ਹਰਰਸ਼ ਸੰਗਾ!"

"सिंटेंंक्टमार्रा ए५<u>४४४</u>म प्राप्त परेंक्टरी? त्रेष्ठ ग्रेणटी, राष्ट्र हा युन्तर हे ज्या सम्मान्त्रकार समार हो प्रतित हो अधिक प्राप्त हैटी, सिएंकएर्डा लेक्टर लिएडिए!"

रस्त्रं मण प्राष्ट्रीम !'त्रद रूपुभीष्य प्रमुण रद्धाद" गदर्न मध्य समर गामिश्य में मध्य दें हम हम हम ा तर एक में हुन है उद्योधीय प्रमुख्य भारति किरुक्त ल्लाउम राज्याम करणायम राज्याम राज्याम राज्याम ट्रण्ण्य भारत के ज्ञान मास भारतर्द कियोश प्रश्न-प्रश्न पारक

णाञ्च स्रोणाँगा ,<u>भम्</u>यभ्रम पाठापार्थण प्रायेव स्राया दर्ध्यम ैर रथेंडे हर्माणंद, 'डायथेंत्र र्मातम रुष्य 'डायथंद भाहमधम जार्गा स्थान स् жаты жүрүн изика жарын изика жоры барын жарын ж

ें अधि यस ऋडिया प्राप्त प्रकार का प्रत्यात है के उन्ने भी अधि । क्राप्रभर र इन्सें जुन्ने का निवास प्रसाधन होता है जिस्सा प्रमा है णध्यम होर्गाणा ॥ श्लर्गम क्षिम५४ प्रजालाचार पामि दम ॥ 'डायडभर्यास सरहायांत्रम भारतास अरुपार अरुपर ॥ <u>भिन्ह</u>ी ब्रह्म अरापमा अप्रामम किरदर्वाता पामी भागापार्गा न्याटामा देखराब्य प्रोराणम रोपाद्रश्य देसर प्रध्याच रूम जनल क्रिह्म्<u>चर्</u>ड हमणीभूषा हम स्रोल्ड्य ॥ डिप्प्ल प्यमणमार दर्ड रहे रप्योग स्टूमम । दश्योगरपर्वा रहेर देइ मण एतिया प्रस्का प्राचित्र प्रश्वापि

दर्ज ने जिल्ला निर्मा केंद्र जमर्र ह्यान मिलद हिन् प्रियायभीभजनमङ्ग्र ग्रीर्गाणा ॥भ<u>ेग्र</u>ुत्याडायर्ट रहभज्ञम रूपर्राणरूपर प्रात्नेण सर्राष्ट र्रंभणटः, सरे र्राणरूपटीर गुनाना ॥ दर्शनाम भारताम र राग्यमा ४३० व्रथमा ४४ व्र गिभ्यार्य सहस्रायु पा॰र हुदर्भम एदर्र १ष्राभ्यं हुस् ७७७० भारतारायार्ट हिंग ॥ ५५ ज्यान्स्यार्ट पान्य प्रस्तर्यम् सुद्रर्धान्य णाहुनुस्र ॥ <u>भन्य</u>णाराष्ट्रीय भाषरभूतम भाषणा ॥ <u>भन्य</u>ोष्ट्रा ,<u>भभर</u>शार्थ राजवर्ट जारब्स रहेरा स्वातम राष्ट्र राजन ग्रहुर र न्यू मार्क्षण्या नाम्बर्धण नाम्बर्धण व्याप्त स्था स्था हिन् र्मिश राष्ट्राय प्रस्तीय प्रतंत ? 'प्रप्राय ? 'प्रप्राय" प्रभावति ॥ भारति उन्निया अस्ति विश्वास विश्वास विश्वास अभितास अभितास अस्ति विश्वास भाषाधाराद रमग्राप्य छन्नु र सामाधारी सुरम छर्म । डिप्पडर र ॥ रिज्यास रहभगायांस हर्द्वरत्र

र होन्योगरपार्व्सञ्चल स्वामंम जवारार्ट्रक्य हमगुजिधा-जिष्याः । ଅକ୍ଟଂଟ-"ସିଅାଜ । ପାୟାଆୱୀ mwiƙ ପଞ୍ଜୀଷ୍ଟର୍ବର ପଟ୍ଟେଲ୍ଲ